D.El.Ed. 4th Sem — 21 May 2020, Thursday

मीना मंच [Meena Manch]

यूनीसेफ की एक परियोजना के तहत देश के कई राज्यों के प्राथमिक विद्यालयों में 'मीना मंच' की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। मीना को केन्द्रीय पात्र बनाकर कई कहानियाँ तथा फिल्मों की रचना भी की गई है।

मीना - एक परिचय

यूनीसेफ (Unicef) की परिकल्पना 'मीना' एक काल्पनिक 'कार्टून' चरित्र है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1990 में हुई। 1990 में कार्यक्रम 'मीना मंच' की कल्पना :-

1⇒ 1998 में उच्च प्राथमिक स्तर पर लागू (24 सितम्बर 1998)
2⇒ 2002 में क्रियान्वयन।
3⇒ 2007 में प्रभावी।
4⇒ 2009 में 'मीना की दुनिया' की संकल्पना।
5⇒ 2010 में उ० प्र० के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लागू।
6⇒ 2013 में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर, एवं कस्तूरबा विद्यालयों (KGBV) में लागू।

उत्तर प्रदेश में मीना अभियान →

1⇒ बी. पी. ई. पी. द्वारा विशेष प्रयोजन से प्रारम्भ किए गए मीना अभियान का उद्देश्य बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।
2⇒ इसके लिए परिचर्चा की गयी। इन परिचर्चाओं में लोगों ने अपनी कन्याओं को विद्यालय भेजने की इच्छा व्यक्त की।
3⇒ बी.ई.सी., एम.डी.ए. एवं W.M.G. प्रशिक्षण में भी बालिका शिक्षा हेतु संचार के इसी साधन का प्रयोग किया गया।
4⇒ कार्य क्षेत्र में परामर्श एवं प्रतिक्रिया आमन्त्रित की गयी एवं प्रादेशिक स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में मीना मंच की परिकल्पना उभरकर सामने आयी।

मीना मंच के उद्देश्य व लक्ष्य :-

1⇒ बालिकाओं की शिक्षा पर जोर।
2⇒ समान अवसर उपलब्ध करना।
3⇒ मित्रवत व्यवहार करना।
4⇒ बाल मित्र समाज का निर्माण करना।

5 => किशोर एवं किशोरियों को आत्माभिव्यक्ति हेतु मंच उपलब्ध कराना।
6 => (किशोरियों में) नेतृत्व एवं सहयोग की क्षमता विकसित करना।
7 => किशोरी शंकाओं के सन्दर्भ में परिचर्चा हेतु मंच प्रदान करना।
8 => सृजन (लेखन) चित्रकारिता / पेंटिंग का कौशल विकसित करना।
9 => बच्चों एवं महिलाओं में उनके अधिकारों के प्रति चेतना जागृत करना।
10 => उत्कृष्ट स्तर के जीवनयापन हेतु जीवन निर्वाह कौशल विकसित करना।

कार्यकारिणी समिति → प्रथम कार्यकारिणी गठित।

1 => अध्यक्ष।
2 => सचिव।
3 => कोषाध्यक्ष।
4 => अन्य दो सदस्य।

मीना सुगमकर्ता एवं मीना प्रेरक → मीना मंच को सुविधा युक्त बनाने के उद्देश्य से विद्यालय में महिला अध्यापिका को मीना सुगमकर्ता के रूप में नामित किया जाता है। मीना सुगमकर्ता को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। ये विद्यालय स्तर पर मीना मंच को सक्रिय सहयोग प्रदान करती हैं।

मीना प्रेरक → 1 => सामान्य सभा की बैठक में चयनित किया जाता है।
2 => नेतृत्व गुण वाली किशोरी चयनित की जाती है।
3 => दृढ़ संकल्प क्षमतावान बालिका चयनित।

मीना मंच की सामान्य बैठक के पश्चात प्रतिमाह कार्यकारिणी समिति की नियमित बैठक होती है। बैठकें 'मीना पंचायत के नाम' से जानी जाती हैं।

मीना मंच की कार्य प्रणाली →

1 => एन.पी.ई.जी.एल. के समूह (कलस्टर) विद्यालयों में मीना मंच द्वारा विद्यालय पुस्तकालयों, क्रीडा गतिविधियों एवं बाल शिक्षा केन्द्रों का सक्रियता के साथ संचालन किया जा रहा है।

2 => मीना मंच द्वारा विभिन्न प्रकरणों के सन्दर्भ में नाट्य / भूमिका प्रदर्शन, कथा वाचन एवं परिचर्चाओं के माध्यम से समुदाय गतिशील / क्रियाशील भी बनाये जा रहे हैं।

Scanned with CamScanner

मीना मंच द्वारा सम्पन्न की जाने वाली अन्य गतिविधियाँ :

1 => छात्र / छात्रा उपस्थिति।
2 => विद्यालय विहीन बच्चों की खोज।
3 => बाल विवाह।
4 => दहेज।
5 => स्वास्थ्य एवं सफाई।
6 => लिंग भेद।
7 => अपने गाँव हेतु शिक्षा योजना बनाना।

मीना कार्यक्रम की कार्य योजना :

1 => प्रार्थना सभा में मीना कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारियों एवं अभिभावकों को प्रस्तुत करना।
2 => सुविधानुसार कक्षा-कक्षों में इन कहानियों पर चर्चा-परिचर्चा।
3 => मीना कक्ष का चयन।
4 => मीना मंच का गठन।
5 => सम्पर्क अभियान के लिए बालिकाओं के समूह बनाना।
6 => मीना वाचनालय की समारोह पूर्वक स्थापना।
7 => मीना मंच की गतिविधियों के लिए समय निर्धारण।
8 => बालिकाओं के नामांकन एवं ठहराव की स्थिति का अध्ययन।
9 => मीना मंच द्वारा नुक्कड़ नाटक तैयार करना।
10 => मीना मंच के सदस्यों द्वारा अभिभावकों से सम्पर्क करना।
11 => मीना समाचार-पत्र की महत्वपूर्ण सूचनाओं का संकलन करना।
12 => कठपुतली निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

end

Scanned with CamScanner